



हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रत्यायित 'ए' ग्रेड
विश्वविद्यालय)
हिंदी विभाग
समरहिल, शिमला-5

पाठ्यक्रम (स्नातक हिंदी)
राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020
सत्र 2025-2026

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों हेतु
निर्धारित हिंदी पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष
(प्रथम सत्र)
(सर्टिफिकेट कोर्स के समकक्ष)

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल तथा रीतिकाल)

प्रश्नपत्र : Discipline Specific Course (DSC-1A)/ Minor Course (MC-1)

Paper Code (DSC HIN 111/ MC HIN 111))

समय : 3 घंटा	सत्रांत परीक्षा : 70	आन्तरिक मूल्यांकन: 30	पूर्णांक : 100	क्रेडिट 4 : व्याख्यान 4, ट्यूटोरिअल 0
--------------	----------------------	-----------------------	----------------	---------------------------------------

(दूरवर्ती एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के लिए आन्तरिक मूल्यांकन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (डेव) 2020 के नियमानुसार होगा)।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

- हिंदी साहित्य इतिहास का अध्ययन करना।
- भक्तिकाव्य के अध्ययन से विद्यार्थियों में नैतिक गुणों का विकास करना।
- हिंदी साहित्य के आरंभिक साहित्यकारों के साहित्यिक अवदान की जानकारी देना।

अधिगम उपलब्धियाँ :

- विद्यार्थी हिंदी विषय के साहित्यिक ज्ञानार्जन में सक्षम होंगे।
- हिंदी साहित्य के विविध कालखंडों की साहित्यिक जानकारी हासिल कर सकेंगे।
- विद्यार्थियों में साहित्यिक कृतियों के माध्यम से नैतिक मूल्य विकसित होंगे।

पाठ्यक्रम :

इकाई - 1

- आदिकाल की पृष्ठभूमि एवं परिवेश
- आदिकाल का नामकरण एवं सीमा निर्धारण
- आदिकाल का साहित्य और प्रवृत्तियाँ

इकाई - 2

- भक्तिकाल की पृष्ठभूमि एवं परिवेश
- भक्ति साहित्य का स्वरूप एवं विविध काव्यधाराएँ
- निर्गुण भक्ति : संत एवं सूफी काव्यधारा (परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ)

इकाई - 3

- सगुण भक्ति साहित्य : राम एवं कृष्ण काव्यधारा (परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ)
- रामभक्ति काव्य : तुलसीदास एवं अन्य भक्त कवि
- कृष्णभक्ति काव्य : विविध संप्रदाय (वल्लभ संप्रदाय, राधावल्लभ संप्रदाय, निम्बार्क संप्रदाय, सखी संप्रदाय, गौड़ीय संप्रदाय, संप्रदाय निरपेक्ष भक्तिकाव्य)

इकाई - 4

- रीतिकाल : नामकरण, पृष्ठभूमि एवं परिवेश
- रीतिकाव्य : अवधारणा एवं प्रमुख काव्यधाराएँ
- रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ

प्राश्निक के लिए निर्देश :

निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक इकाई से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा। सभी इकाइयों में से दस लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से सात के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

चार आलोचनात्मक प्रश्न : $4 \times 14 = 56$ अंक

लघुत्तरीय प्रश्न : $7 \times 2 = 14$ अंक

अनुशंसित पुस्तकें :

आ. रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

डॉ. नगेन्द्र (सं) हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

डॉ. बच्चन सिंह, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

डॉ. शेखर शर्मा, डॉ. इन्दु बाला शर्मा, हिन्दी साहित्य का इतिहास, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।

प्रथम वर्ष

(दूसरा सत्र)

मध्यकालीन काव्य

प्रश्नपत्र : Discipline Specific Course (DSC-2A)/ Minor Course (MC-2)

Paper Code (DSC HIN 121/ MC HIN 121)

समय : 3 घण्टे	सत्रांत परीक्षा : 70	आन्तरिक मूल्यांकन: 30	पूर्णांक : 100	क्रेडिट 4 : व्याख्यान 4, ट्यूटोरिअल 0
---------------	----------------------	-----------------------	----------------	---------------------------------------

दूरवर्ती एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के लिए आन्तरिक मूल्यांकन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (डेव) 2020 के नियमानुसार होगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

मध्यकालीन कवियों के साहित्य द्वारा भक्ति और चेतना का विकास करना।
भक्त कवियों के साहित्य के माध्यम से अध्यात्मिकता और दार्शनिकता का अध्ययन करना।
नैतिक मूल्यों का विकास करना।

अधिगम उपलब्धियाँ :

विद्यार्थियों में नैतिक भावना का संचार होगा।
विद्यार्थी संत साहित्य के माध्यम से भारतीय चिंतन और दर्शन को आत्मसात कर सकेंगे।
विद्यार्थी काव्य की भावगत एवं शिल्पगत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम :

इकाई - 1

कबीर और तुलसीदास :

कबीर और तुलसीदास का सामान्य परिचय एवं काव्यगत विशेषताएँ
कबीर : साखियाँ एवं पद (निर्धारित पाठ्य पुस्तक में संकलित)
तुलसीदास : कवितावली के पद (निर्धारित पाठ्य पुस्तक में संकलित)

इकाई - 2

सूरदास तथा मीराबाई :

सूरदास एवं मीराबाई का सामान्य परिचय एवं काव्यगत विशेषताएँ
सूरदास : भ्रमरगीत सार के पद (निर्धारित पाठ्य पुस्तक में संकलित)
मीरा : पदावली के पद (निर्धारित पाठ्य पुस्तक में संकलित)

इकाई - 3

रसखान एवं बिहारी :

रसखान एवं बिहारी का सामान्य परिचय एवं काव्यगत विशेषताएँ
रसखान : सवैया (निर्धारित पाठ्य पुस्तक में संकलित)
बिहारी : बिहारी सतसई के दोहे(निर्धारित पाठ्य पुस्तक में संकलित)

इकाई - 4

घनानंद और भूषण :

घनानंद और भूषण का सामान्य परिचय एवं काव्यगत विशेषताएँ
घनानंद : कवित्त और सवैया (निर्धारित पाठ्य पुस्तक में संकलित)
भूषण : कवित्त एवं दोहा (निर्धारित पाठ्य पुस्तक में संकलित)

उपर्युक्त पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित पाठ्य पुस्तक :

डॉ. शोभा रानी, डॉ. पूनम चौहान (संपादक) : मध्यकालीन काव्य, राज ब्रदर्स प्रकाशन, शिमला।

प्राश्निक के लिए निर्देश :

निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक का उत्तर देना अनिवार्य होगा। पूछे गए प्रश्नों में से प्रत्येक प्रश्न में (क) और (ख) दो भाग होंगे, जिनमें से एक व्याख्यात्मक (5 अंक) और दूसरा आलोचनात्मक (9अंक) होगा। सभी इकाइयों में से दस लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से सात के उत्तर देने होंगे।

अंक विभाजन :

चार प्रश्न (आलोचनात्मक एवं व्याख्यात्मक) : $4 \times (9+5) 14 = 56$ अंक

लघुत्तरीय प्रश्न : $7 \times 2 = 14$ अंक

अनुशंसित पुस्तकें :

- श्यामसुंदर दास (संपादक) : कबीर ग्रंथावली, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015
रामचंद्र शुक्ल (संपादक) : तुलसी-ग्रंथावली (दूसरा खण्ड), नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1980
रामचंद्र शुक्ल (संपादक) : भ्रमरगीत सार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012
जगन्नाथदास रत्नाकर (संपादक) : बिहारी रत्नाकर, तारा बुक एजेंसी, वाराणसी, 1996
विद्यानिवास मिश्र एवं सत्यदेव मिश्र, जेनिथ पब्लिशर्स, नई दिल्ली
विश्वनाथप्रसाद मिश्र (संपादक) : घनानंद कवित्त : सरस्वती मंदिर, वाराणसी, 1969
ब्रजरत्नदास (संपादक) : भूषण ग्रंथावली, रामनारायण लाल प्रकाशक, इलाहाबाद, 1950
हजारी प्रसाद द्विवेदी : कबीर, राजकमल, दिल्ली।
डॉ० राम कुमार वर्मा : सन्त कबीर, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।
मुंशी राम शर्मा : भारतीय साधना और सूर साहित्य, साहित्य निकेतन, कानपुर।
हजारी प्रसाद द्विवेदी : सूर साहित्य, हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई।
मनमोहन गौतम : सूर की काव्य कला, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली।
डॉ० रामचन्द्र तिवारी : कबीर मीमांसा, लोक भारती, इलाहाबाद।
उदयभानु सिंह : तुलसी काव्य मीमांसा।